संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 3 • मार्च 2025

Volume 3 • Issue 3 • March, 2025

पुनरूत्थान काल में कला-चिंतन

वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला इन सब कलाओं का प्रारंभ बिंदु संयोजन कला के अनुभव होता है तथा ये उसी में विलीन हो जाती हैं। संयोजन का क्षेत्र विस्तृत है। प्रकृति में पाई जाने वाली वस्तुओं का स्वरूप जानना तथा उनपर विचार करना ही संयोजन कहलाता है। संयम के कारण प्रमाणबद्धता का ज्ञान मिलता है। हम निर्णय लेने में सक्षम बन जाते हैं। वस्तुविषय का यह प्रतिरूप सामंजस्यपूर्ण होता है और यह एक नया रूप लेकर कलाकार के माध्यम से जन्म लेता है।

संयोजन एक विज्ञान है। प्रकृति में प्राप्त वस्तुओं का योग्य प्रस्तुतिकरण संयोजन के कारण होता है। संयोजन के माध्यम से मनुष्य सुंदर वस्तुओं का निर्माण करता है। प्रमाणबद्धता का ज्ञान मनुष्य को मानव शरीर से ही प्राप्त होता है। यहाँ से यह ज्ञान कलाकार अपनी बुद्धि में आत्मसात करता है। आवश्यक प्रमाणबद्धता का बोध उसे यहीं होता है। आखिरकार इसकी परिणति कलाकृति में होती है।

कवि ने सर्वप्रथम ध्वनि को अपने अनुकूल किया। उसने स्वरमय ध्वनि को चुना। असंगीतमय ध्वनि का कवि ने त्याग किया। उसने फिर रूपक तथा सौंदर्यपूर्ण भाषा का उपयोग किया। फिर उसने छंदों की उपयुक्तता का विचार किया। कौन से विषय-वस्तु सर्वाधिक सुंदर एवं प्रतिभाशाली रह सकते हैं, इसका भी कवि ने विचार किया। काव्य सुंदर बनाने के लिए उसने अलंकार का उपयोग किया। इसके लिए उसने सभी उपाय किए तथा बहुत प्रयोग किए। काव्य में किया गया वर्णन अत्यंत जीवंत होने के कारण काव्य ने हमें प्रभावित किया।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

मार्च 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

● प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका

(25 फरवरी से 06 मार्च 2025, नई दिल्ली)

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली द्वारा 'प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका' विषय पर कार्यशाला का आयोजन दिनांक 25 फरवरी से 06 मार्च 2025 तक किया गया। इस कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों से कुल 52 सेवारत शिक्षक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का आरंभ डॉ. संजीव पाठक के निर्देशन में एक आत्मीय योग सत्र से हुआ। इसके बाद डॉ. शरद गौड़ ने प्रतिभागियों के साथ जैव-सांस्कृतिक विविधता पर चर्चा करते हुए वैश्वीकरण के संदर्भ में स्थायी पर्यावरणीय प्रथाओं पर जोर दिया। श्री गुलशन वालिया और श्री स्वपन कुमार सरकार द्वारा आयोजित परिचयात्मक गतिविधियाँ प्रतिभागियों के संवाद कौशल को सुधारने के लिए माइम और मूवमेंट पर केंद्रित थीं। उन्होंने प्रतिभागियों को शरीर की हरकतों को समझने और झिझक को दूर करने के लिए कई नाटकीय अभ्यास सिखाए। उन्होंने कक्षा में छात्रों के साथ की जाने वाली कई गतिविधियों को भी साझा किया। डॉ. ए. के. मर्चेंट ने वैश्वीकरण के प्रभाव और पर्यावरणीय प्रथाओं के संदर्भ में मूल्य शिक्षा पर विशेष रूप से चर्चा की। उनका व्याख्यान बहाई धर्म से प्रेरित था। डॉ. अश्विनी अस्थाना ने ऐतिहासिक स्मारकों और सांस्कृतिक संपत्तियों के संरक्षण में पुरातत्व और संग्रहालयों की भूमिका पर एक अद्भुत सत्र का संचालन किया। उन्होंने 'ओम' की ध्वनि और वास्तुशास्त्र के बीच के संबंध पर भी विस्तार से चर्चा की।

प्रतिभागियों ने कुतुब परिसर, राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी की शैक्षिक यात्राओं के माध्यम से समृद्ध अनुभव प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने सोहनलाल (मिट्टी के बर्तन), अवधेश कुमार (मधुबनी), सुरजीत रॉय (पेपर क्राफ्ट), अर्चना गुप्ता (टाई एंड डाई) और सर्वजीत कौर (मैक्रम) के साथ अनुभवात्मक शिक्षण सत्र का आनंद लिया। डॉ. राहुल कुमार ने स्वच्छता पर गांधीवादी दृष्टिकोण पर एक प्रेरक सत्र का संचालन किया। श्रीमती गुरिंदर कौर द्वारा एक आत्मीय सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने भारतीय भाषाओं में गानों को आवाज की शक्ति के साथ गाने की कला सिखाई। प्रोफेसर प्रतापनंद झा ने इतिहास की यात्रा करते हुए यह सिखाया कि हस्तलिपियों के माध्यम से अतीत को भविष्य की पीढ़ियों के लिए कैसे संरक्षित किया जाए। डॉ. वाणी माधव ने ओडिसी नृत्य पर एक तालबद्ध सत्र में ओडिसी नृत्य के विकास और इतिहास पर बात की। सत्र उनके और उनके छात्रों के अद्भुत प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ। श्री मनीष कुमार ने राजभाषा नीति के संवैधानिक प्रावधानों और

राष्ट्रीय भाषाओं के संरक्षण में हिंदी के महत्त्व पर एक कार्यशाला का संचालन किया। प्रतिभागियों ने प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर पाठ योजनाएँ और समूह परियोजनाएँ भी तैयार कीं।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

- सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) ने 6-12 मार्च 2025 तक कथक, तबला, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, ओडिसी और हिंदुस्तानी गायन सहित सात विधाओं में कला शिक्षकों-सह-कलाकारों के लिए एक व्यापक अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस आवासीय कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) द्वारा प्रतिनियुक्त 64 प्रतिभागियों को आईसीसीआर के विदेशों में सांस्कृतिक केंद्रों और मिशन/पोस्टों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना था। सीसीआरटी पैनल के नौ कलाकारों ने प्रशिक्षण मॉड्यूल को कुशलतापूर्वक तैयार किया, जिसमें प्रत्येक कला रूप के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों सत्र शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों के लिए एक समग्र सीखने का अनुभव सुनिश्चित हुआ। यह पहल आईसीसीआर के उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाने और सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए आईसीसीआर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, साथ ही दुनिया भर में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देती है।

CCRT

CCRT

CCRT

CCRT

CCRT

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए 7 से 10 मार्च, 2025 तक पुणे, महाराष्ट्र में क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 18 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए 10 से 13 मार्च, 2025 तक अगरतला, त्रिपुरा में क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 19 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए इम्फाल, मणिपुर में 10 से 11 मार्च, 2025 तक क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 08 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए पटना, बिहार में 10 से 12 मार्च, 2025 तक क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 12 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक 04 से 08 मार्च, 2025 तक भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 21 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना के तहत केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए वर्चुअल/ऑनलाइन साक्षात्कार 22 मार्च 2025 को आयोजित की। ऑनलाइन साक्षात्कार और परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के 02 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने और छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए 8 से 11 मार्च, 2025 तक बेंगलुरु, कर्नाटक में क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में विभिन्न क्षेत्रों के कुल 15 विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहिणी, नई दिल्ली	19-21 मार्च 2025
2.	राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नंबर-01, नजफगढ़, नई दिल्ली	22, 24, 25 मार्च 2025
3.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, छावला, नई दिल्ली	22, 24, 25 मार्च 2025

मार्च 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय में कुल 1488 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

राजभाषा अनुभाग/HINDI SECTION

• तिमाही हिन्दी कार्यशाला

सीसीआरटी मुख्यालय परिसर में दिनांक 25 मार्च को 'देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण' विषय पर जनवरी - मार्च 2025 की तिमाही हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी अधिकारी श्री मनीष कुमार द्वारा इस विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस कार्यशाला में मुख्यालय के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल हुए।

• राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

सीसीआरटी मुख्यालय परिसर में दिनांक 28 मार्च को कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक (जनवरी–मार्च 2025) निदेशक, सीसीआरटी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें मुख्यालय के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र में मौजूदा तिमाही में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा और आगामी तिमाही की कार्य-योजना पर चर्चा की गई।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री ओम प्रकाश शर्मा,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**श्री निरंजन भुइयां,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)	**श्री के.एस.एल. गणेश,** उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)	
श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर